स्वास्थ्य के लिए सामुदायिक प्रयास क्या है?

स्वास्थ्य के लिए सामुदायिक प्रयास राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम) की एक प्रमुख रणनीति है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति समुदाय की सक्रियता और भागीदारी को बढ़ाना है। इस प्रक्रिया के माध्यम से, समुदाय और सेवा प्रदाताओं द्वारा सेवाओं की गुणवत्ता की नियमित रुप से जांच होती है जिससे उनकी कार्यक्षमता और जवाबदेही बढ़े।

इस प्रक्रिया के क्या फायदे है?

सामुदायिक प्रयास की प्रक्रियाओं से कई राज्यों में महत्वपूर्ण परिणाम प्रदर्शित किये गये हैं। उनमें से कुछ हैं–

1. स्वास्थ्य अधिकार, सरकारी सेवाओं और योजनाओं के बारे में जागरुकता व उनके उपयोग में वृद्धि।
2. सेवाओं की समुदाय तक पहुंच और गुणवत्ता में सुधार।
3. ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति (वी.एच.एस.एन.सी.), उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्थानीय प्राथमिकताओं के आधार पर मुक्त राशि का उचित उपयोग।
4. सेवाएं न मिलने तथा स्वास्थ्य पर अनौपचारिक खर्चों में कमी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

एडवायज़री ग्रुप ऑन कम्युनिटी एक्शन

सचिवालय

पापुलेशन फांउडेशन ऑफ इंडिया

बी. 28, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया

नई दिल्ली–110016. भारत

दूरभाषः +91–11–43894100

फैक्सः +91–11–43894199

ई–मेलः agca@populationfoundation.in

वेबसाइटः www.nrhmcommunityaction.org

स्वास्थ्य के लिए सामुदायिक प्रयास

मिल जुल करें अब नई तैयारी,
जन–स्वास्थ्य हो सब की जिम्मेदारी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

एक कदम स्वच्छता की ओर

Secretariat
Advisory Group on Community Action

स्वास्थ्य के लिए सामुदायिक प्रयास के छः चरण

1 जागरुकता लाएं

मुफ्त सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य अधिकार, सेवा प्रदाताओं की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जागरुकता लाएं।

आपकी भूमिका

- योजनाओं या सेवाओं के बारे में पूरी और सही जानकारी लें।
- समुदाय में जानकारी का प्रचार प्रसार करें।
- बेहतर स्वास्थ्य के लिए उचित व्यवहार को बढ़ावा दें।

2 ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों (वी.एच.एस.एन.सी.) को मजबूत करें

स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और सामूहिक प्रयास को बढ़ावा देने के लिए गांव स्तर पर ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियां बनाई गई हैं। यह नियोजन, कार्य को करने और उसकी निगरानी में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करती है।

आपकी भूमिका

- स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों की मासिक बैठक में भाग लें।
- बच्चों, किशोर–किशोरियों और गर्भवती महिलाओं में कुपोषण, साफ पीने का पानी न मिलने और सही तरीके से न चलने वाले उप–स्वास्थ्य एवं आंगनवाड़ी केन्द्र जैसी समस्याओं को बैठक में सामने लाएं।
- स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा सेवाएं न देना या खराब व्यवहार की घटनाओं की सूचना दें।
- मुक्त राशि का सही प्रयोग सुनिश्चित करें।

3 सेवाओं की निगरानी करें

गांव और स्वास्थ्य केन्द्र, दोनों स्तरों पर सेवाओं की गुणवत्ता की परख और निगरानी सरल प्रपत्रों के उपयोग से की जाती है। इससे सामुहिक रुप से कमियों व मुद्दों को पहचानने और स्थानीय समाधान ढूंढने में मदद मिलती है।

आपकी भूमिका

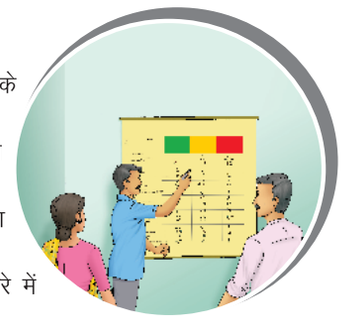

- निगरानी प्रक्रिया में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों के सदस्यों की मदद करें और अपने अनुभव बताएं।
- जहां भी आपको या अन्य लोगों को सेवाएं नहीं मिली, उन घटनाओं की जानकारी दें।
- स्वास्थ्य प्रदाताओं के पास मुफ्त दवाओं या गर्भनिरोधकों या आंगनवाड़ी केंद्र में पोषाहार न मिलने पर समिति को बताएं।
- जहां सेवाओं की पहुंच नहीं है, उन क्षेत्रों और परिवारों के बारे में सूचना दें।

4 ग्राम स्वास्थ्य योजना बनाएं

निगरानी प्रक्रिया के दौरान पहचानी गई कमियों और मुद्दों के आधार पर वी.एच.एस.एन.सी. वार्षिक ग्राम स्वास्थ्य योजना विकसित करती है। यह योजना जिम्मेदारियों और समय सीमा के साथ–साथ, कमियों/कमजोर क्षेत्रों का पूरा विवरण प्रस्तुत करती है।

आपकी भूमिका

- पहचानी गई कमियों पर चर्चा में भाग लें और मिलकर संभव समाधान ढूंढे।
- ग्राम स्वास्थ्य योजना बनाने में मदद करें और इसे लागू भी करवाएं।
- जो समस्याएं गांव के स्तर पर हल नहीं हो पा रही हो उन्हें अगले स्तर यानि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्लॉक एवं जिला स्तर की समितियों या जन संवाद में उठाएं।

5 समितियों का गठन करें और उन्हें सशक्त बनायें

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पी.एच.सी.), ब्लॉक, जिला और राज्य स्तरों पर रोगी कल्याण समितियाँ (आर.के.एस.) और नियोजन व निगरानी समितियाँ हैं। उनमें सदस्यों के रूप में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एंव पंचायत और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि हैं। सभी सदस्य मिलकर स्वास्थ्य के मुद्दों पर चर्चा करते हैं और उचित कार्यवाही करते हैं।

आपकी भूमिका

- इन समितियों में सेवाओं से संबंधित मुद्दे जैसे स्वास्थ्य एवं आंगनवाड़ी केन्द्र की सेवाएं, पीने का साफ पानी न मिलना, खराब पड़े नल, पानी के पाइप आदि को इन समितियों या जन संवाद में उठाएं और उनके समाधान की मांग करें।

6 जन संवाद आयोजित करायें

जो कमियां और मुद्दे गांव के स्तर पर हल नहीं होते हैं उनको ब्लॉक एवं जिला स्तरीय जनसंवाद में उठाया जाता है। सामुहिक रुप से समस्याएं बताई जाती है और उनके समाधान के लिए एक स्वतंत्र पैनल (जिसमें जिला व ब्लॉक स्तर के पंचायत प्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य और अन्य विभागों के अधिकारी सम्मिलित होते हैं) के सामने चर्चा होती है। सभी पक्षों को सुना जाता है और निष्पक्ष रुप से पैनल द्वारा उचित निर्णय लिया जाता है। निर्णय के अनुसार संबंधित अधिकारियों, सेवा प्रदाताओं या समुदाय के लोगों की समयबद्ध कार्य योजना तैयार होती है। इसे लागू करना अधिकारियों और समुदाय दोनों की जिम्मेदारी होती है।

आपकी भूमिका

- जन संवाद में सक्रिय रुप से भाग लें और पैनल को सेवाओं से संबंधित अपने मुद्दे बतायें और समाधान की मांग करें।
- स्वास्थ्य कर्मचारियों के अनुचित व्यवहार, सेवाओं की अनुपलब्धता या सेवा देने से इंकार करने की घटनाओं को बताएं और कार्यवाही की मांग करें।